छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

आज दिनांक 29 अक्टूबर, 2003 को अपरान्ह 3.00 बजे कार्य परिषद् की बैठक विश्वविद्यालय कार्य परिषद् कक्ष में सम्पन्न हुई, बैठक में निम्नलिखित सम्मानित सदस्यों ने भाग लिया :-

सर्वश्री

1. प्रो0 एस0एस0 कटियार	कुलपति, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	अध्यक्ष
2. डा0पी0सी0पचौरी,	बी-159, शास्त्री नगर, मेरठ	सदस्य
3. डा0 यतीन्द्र तिवारी	प्राचार्य, अरमापुर महाविद्यालय,अरमापुर, कानपुर	सदस्य
4. डा0 गोपाल जी श्रीवास्तव	अधिष्ठाता, कला संकाय, डी0ए-वी0 कालेज, कानपुर	सदस्य
5. डा0 एस0के0कटियार	अधि0चिकित्सा, संकाय जी0एस0वी0एम0 मेडिकल कालेज,कानपुर	सदस्य
6. प्रो0 आर0सी0कटियार	आचार्य,व्यवसाय प्रबंध संस्थान, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	सदस्य
7. डा0 शिव बालक द्विवेदी	प्राचार्य, बद्री विशाल डिग्री कालेज, फर्रूखाबाद	सदस्य
8. डा0 एस0पी0शाक्य	प्राचार्य, आर.एम.पी. कालेज, सीतापुर	सदस्य
9. डा0 संजय स्वर्णकार	प्रवक्ता, अंग्रेजी विभाग, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	सदस्य
10. डा0 एम0पी0गुप्त	वाणिज्य विभाग, वी.एस.एस.डी.कालेज, कानपुर	सदस्य
11. श्री जे0एन0रैना	वित्त अधिकारी, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	पदेन सदस्य
12. डा0 बी0के0 पाण्डेय	कुलसचिव, सी0एस0जे0एम0,वि0वि0,कानपुर	सचिव

कार्य विवरण

सर्वप्रथम माननीय कुलपति जी ने उपस्थिति समस्त सदस्यों का स्वागत किया । कुलपति जी ने नये सदस्यों का कार्यपरिषद से परिचय कराया तथा कार्य परिषद् के कार्यकाल पूरा होने पर अवकाश ग्रहण करने वाले सदस्यों के सक्रिय सहयोग के लिए प्रशंसा की तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया । डा0 यतीन्द्र तिवारी, प्राचार्य अरमापुर डिग्री कालेज, कानपुर ने 28 अक्टूबर, 2003 को विश्वविद्यालय में प्रारम्भ हुए युवा महोत्सव 2003 जिसका उद्घाटन महामहिम कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश आचार्य विष्णु कान्त शास्त्री जी ने किया के आयोजन के लिए कुलपति जी को बधाई दी तथा कार्य परिषद् को महामहिम जी की इस भावना से अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में निरन्तर विकास कार्य हो रहे हैं तथा महामहिम जी जब भी विश्वविद्यालय आते हैं, उन्हें एक नया सृजनात्मक एवम् विकास कार्य मिलता है । उन्होंने महापौर श्री अनिल शर्मा जी की इस भावना से भी कार्य परिषद् को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय को आई0आई0टी0, कानपुर के समकक्ष या उससे अधिक प्रगति करनी चाहिए, जिससे कि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर एक आदर्श विश्वविद्यालय बन सके तथा प्रदेश एवम् देश के अन्य विश्वविद्यालय इस विश्वविद्यालय के समान बनने का प्रयास करें । कार्य परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय में कराये जाने वाले विकास कार्यो के लिए कुलपति जी की भूरि भूरि सराहना की गयी तथा युवा महोत्सव 2003 के सफल आयोजन के लिए कुलपति जी को कार्य परिषद् द्वारा बधाई दी गई ।

कार्य परिषद् ने विचारणीय मदों पर निम्नलिखत निर्णय लिये :-

1. कार्य-परिषद की विगत बैठक दिनांक 28.03.2003 एवं आपात बैठक दिनांक 17.04.2003 के कार्यवृत्त के सम्पुष्टिकरण पर विचार ।

कार्य परिषद् ने विगत बैठक 28 मार्च, 2003 एवं आपात बैठक दिनांक 17 अप्रैल, 2003 में लिये गये निर्णयों के क्रियान्वयन से अवगत होते हुए सर्वसम्मति से उसके कार्यवृत्त का सम्पुष्टीकरण किया ।

2. वित्त समिति की सम्पन्न बैठक दिनांक 13.09.2003 तथा दिनांक 23.10.2003 की संस्तुतियों के अनुमोदन पर विचार ।

कार्य परिषद् ने परिषद् पटल पर प्रस्तुत वित्त समिति की सम्पन्न बैठक दिनांक 13 सितम्बर, 2003 तथा दिनांक 23 अक्टूबर, 2003 की संस्तुतियों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया ।

3. भवन निर्माण समिति की बैठक दिनांक 17.09.2003 एवं 22.10.2003 की संस्तुतियों के अनुमोदन पर विचार ।

कार्य परिषद् ने भवन निर्माण समिति की सम्पन्न बैठक दिनांक 17 सितम्बर, 2003 तथा 22 अक्टूबर, 2003 की संस्तुतियों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया । कार्य परिषद् सदस्य डा0 पी0सी0 पचौरी ने सुझाव दिया कि निर्माण समिति की अनुशंसायें सूक्ष्मरूप में कार्य परिषद् के समक्ष प्रस्तुत की जानी चाहिए । अध्यक्ष जी ने बताया कि भवन निर्माण समिति से सम्बन्धित विवरण एवं मानचित्र इत्यादि कुलसचिव कार्यालय में उपलब्ध रहता है जिसे कोई भी माननीय सदस्य जब चाहे देख सकते है ।

4. शोध उपाधि हेतु मौखिकी परीक्षा सम्पन्न होने के पश्चात योग्य घोषित शोधार्थियों को शोध उपाधि से अलंकृत करने के परीक्षा समिति के निर्णय दिनांक 11 सितम्बर, 2003 के अनुमोदन पर विचार ।

शोध उपाधि के लिए मौखिकी परीक्षा सम्पन्न होने के बाद परीक्षा समिति के निर्णय दिनांक 11 सितम्बर, 2003 के द्वारा योग्य घोषित 65 शोधार्थियों को शोध उपाधि से अलंकृत करने के निर्णय का कार्य परिषद् द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया ।

5. विश्वविद्यालय के इन्स्टीटयूट ऑफ इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी के रैंगिंग में संलिप्त पाये गये छात्रों के प्रत्यावेदन पर विचार ।

कार्य परिषद् ने विश्वविद्यालय के इन्स्टीट्यूट आफ इन्जीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी के रैगिंग में संलिप्त पाये गये छात्रों के प्रत्यावेदन पर विचार किया । कार्य परिषद् ने कुलपति जी द्वारा रैगिंग में संलिप्त 6 छात्रों को शासनादेश के प्रावधानों के अनुसार दो शिक्षा सत्रों में लिये निलम्बित किये जाने के निर्णय की प्रशंसा की । कुलपति जी द्वारा सूचित किये जाने पर कि निष्कासित छात्रों को अपनी गलती का एहसास हो गया है तथा छात्रों एवं उनके माता पिता ने कार्य परिषद् से प्रार्थना की है कि उनकी सजा में कमी की जाये । कार्य परिषद् ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि निष्कासित छात्रों की निष्कासन अवधि दो शिक्षा सेमेस्टरों से घटाकर एक शिक्षा सेमेस्टर कर दी जाये तथा छात्र अलग से प्रथम सेमेस्टर का अध्ययन पूरा करेंगे, उनके बी0टेक0 की पढ़ाई की अवधि चार वर्ष के स्थान पर 4 वर्ष 6 माह होगी तथा छात्रों को प्रथम सेमेस्टर के अतिरिक्त अध्ययन का नियमानुसार लगने वाला शुल्क भुगतान करना होगा।

6. उत्तर प्रदेश शासन उच्च शिक्षा अनुभाग-1 के पत्रांक 1630/70-1-2003-4(9)/2003 दिनांक 22.08.2003 जो कैरियर एडवांसमेण्ट स्कीम लागू करने के सम्बन्ध में परिनियम बनाये जाने से सम्बन्धित है, पर विचार ।

उत्तर प्रदेश शासन उच्च शिक्षा अनुभाग 1 के पत्रांक 1630/70-1-2003 -4(9)/2003 दिनांक 22 अगस्त, 2003 जो कैरियर एडवान्समेन्ट स्कीम से सम्बन्धित परिनियम में यथास्थान संशोधन प्रतिस्थापित करने के सम्बन्ध में है, पर सम्यक् विचारोपरान्त कार्यपरिषद ने विश्वविद्यालय परिनियमावली में यथास्थान संशोधन प्रतिस्थापित करने का निर्णय लिया ।

पैरामेडिकल

7. विश्वविद्यालय परिसर में चिकित्सा शिक्षा सम्बन्धी पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने पर विचार ।

विश्वविद्यालय परिसर में चिकित्सा शिक्षा सम्बन्धी पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने पर कार्य परिषद् ने विचार किया । अध्यक्ष महोदय ने कार्य परिषद् को विश्वविद्यालय परिसर में पैरा मेडिकल शिक्षा सम्बन्धी पाठ्यक्रम जैसे डेण्टल कालेज व बी0फार्मा0 पाठ्यक्रम सत्र 2004-05 से प्रारम्भ किये जाने की आवश्यकता तथा इस सम्बन्ध में पूरी की जाने वाली औपचारिकताओं से अवगत कराया । कार्य परिषद् ने सर्वसम्मति से सत्र 2004-05 से विश्वविद्यालय परिसर में एक डेण्टल कालेज खोले जाने तथा बी0फार्मा0 व अन्य पैरामेडिकल पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया।

8. शोध कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने के सम्बन्ध में कार्यपरिषद के निर्णय के अनुपालन में किये गये प्रयत्न एवं उनके परिणामों पर चर्चा ।

कार्य परिषद् में शोध कार्य की गुणवत्ता बढ़ाने के सम्बन्ध में कार्य परिषद् के पूर्व निर्णय के अनुपालन में किये गये प्रयत्न व उनके परिणामों पर चर्चा की गयी । अध्यक्ष महोदय ने कार्य परिषद् को व्यवसाय प्रबन्ध संस्थान, जीवन विज्ञान संकाय व आई0ई0टी0 द्वारा पी-एच0डी0 हेतु पंजीकृत छात्रों के लिए एक वर्षीय पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने के प्रस्ताव से अवगत कराया । इन प्रस्तावों के अनुसार शोध छात्रों को पंजीयन के उपरान्त एक वर्ष तक विश्वविद्यालय परिसर में सम्बन्धित संस्थान में शोध हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम का अध्ययन करना होगा जो उनके शोध कार्य की गुणवत्ता बढ़ायेगा । कार्य परिषद् सदस्य डा0 पी0सी0 पचौरी ने पी-एच0डी0 में पंजीयन के पूर्व कम से कम एक शोध पत्र प्रकाशित होने की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि इससे कालेज के लिए यू0जी0सी0 की ग्राण्ट भी मिल सकेगी । उन्होंने शोध छात्रों से फीस लिये जाने का सुझाव भी दिया । डा0 यतीन्द्र तिवारी ने महाविद्यालयों में पंजीकृत शोध छात्रों हेतु पाठ्यक्रम लागू किये जाने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा शोध पंयविक्षकों हेतु विश्वविद्यालय द्वारा ओरिएण्टेशन प्रोग्राम प्रारम्भ किये जाने पर बल दिया । कार्य परिषद् ने सर्वसम्मति से विश्वविद्यालय परिसर में पंजीकृत शोध छात्रों के लिये पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये जाने, शोध छात्रों व पयविक्षकों द्वारा जर्नल में शोध पत्र प्रकाशित किये जाने तथा शोध छात्रों से एक मानक शुल्क लिये जाने का निर्णय लिया ।

अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद के साथ कार्य परिषद् की बैठक समाप्त हुयी ।

(प्रो0एस0एस0कटियार)
अध्यक्ष/कुलपति

(डा0बी0के0पाण्डेय)
सचिव/कुलसचिव